

Total No. of Questions – 8]
(2062)

[Total Pages : 3

9776

M.A. Examination

POLITICAL SCIENCE

(Modern Indian Political Thought)

Paper : XIII(b)

(Semester-IV)

Time : Three Hours]

[Max. Marks : { Regular : 80
Private : 100

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note : Attempt any *four* questions. All questions carry equal marks.

नोट : किन्हीं चार प्रश्नों को कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Critically examine Political Philosophy of Bhagat Singh. What is its relevance in contemporary times?

भगत सिंह के राजनीतिक दर्शन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। समकालीन समय में इसकी प्रासंगिकता क्या है?

9776/1200/777/833/Trans.

21 [P.T.O.

2. Give a detailed summary of Subash Chander Bose's concept of nationalism.
सुभाष चंद्र बोस की राष्ट्रवाद की अवधारणा का विस्तृत सारांश दीजिए।
3. Critically examine M.N. Roy's critique of Marxism.
एम.एन. राय की मार्क्सवाद की आलोचना का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. Discuss the role of J. L. Nehru as nation builder of modern India. What were major challenges faced by him?
आधुनिक भारत के राष्ट्र निर्माता के रूप में जे. एल. नेहरू की भूमिका की विवेचना कीजिए। उनके सामने कौन-सी प्रमुख चुनौतियाँ थीं?
5. Explain J. P. Narayan's views on Sarvodaya and partyless democracy.
सर्वोदय और दलविहीन लोकतंत्र पर जे. पी. नारायण के विचारों की व्याख्या कीजिए।
6. Critically examine Ram Manohar Lohia's concept of Socialism. How it was different from Nehruvian Socialism?
राम मनोहर लोहिया की समाजवाद की अवधारणा का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। यह नेहरूवादी समाजवाद से किस प्रकार भिन्न था?

7. Discuss in detail the contribution of Dr. Ambedkar in making of the Indian Constitution.

भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. अम्बेडकर के योगदान की विस्तार से चर्चा कीजिए।

8. Define Secularism. Discuss various challenges to the Secular and democratic process in India in contemporary times.

धर्मनिरपेक्षता को परिभाषित कीजिए। समकालीन समय में भारत में धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा करें।
